

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। -हरिऔध

# शासनतंत्र में प्रलोभनों से ही भ्रष्टाचार पनपता है

**आ**ज हर ओर एक ही शिकायत सुनने को मिलती है कि हमारी और हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ भ्रष्टाचार है जो व्यवस्था में खामी की वजह से है। सभी भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाली व्यवस्था को बदलने की बात तो करते हैं किन्तु यह कैसे हो इसका कोई सर्वसम्मत जवाब नहीं मिलता। व्यवस्था तंत्र का तो हर अंग दूसरे के पाले में गँद सरका देता है। इस जटिल मुद्दे की विवेचना से पहले कुछ जरूरी सामयिक सवाल पूछ लेना उचित होगा। क्या सत्ता भ्रष्ट होती है, या भ्रष्ट लोग सत्ता की ओर खिंचे चले आते हैं? लोग गबन करते हैं, रिश्तव लेते हैं और पुलिस वाले जो बेकसूरों को फँसाते हैं और अपराधियों को भागने में मदद करते हैं क्या वे सब व्यवस्था के परिणाम हैं या वे सिर्फ बुरे लोग हैं? यदि किसी को अचानक सत्ता मिल जाये तो क्या वह अपनी जेब भरने या अपने दुश्मनों से बदला लेने के प्रलोभन से अपने आप को बचा पाने में सक्षम होगा? नेता के बारे में हमारी सबसे बुनियादी धारणा क्या है? जब कोई राजनेता शीर्ष पर पहुँचता है तब उसके दिमाग में क्या चल रहा होता है? इन सवालों के साथ एक सवाल यह भी उठता है कि ऐसा क्यों लगता है कि लोकतंत्र में लोग गलत कार्यों से गलत लोगों को सत्ता सौंपने के लिए किसी न किसी तरह आकर्षित हो जाते हैं। क्या व्यवस्था व्यक्तिगत व्यवहार को दिशा देती है? ये वे सवाल हैं जिनसे हम अपनी आज की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझने का आधार बना सकते हैं। ये वे परिस्थितियाँ हैं जो लोकतांत्रिक शासन में निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। निर्णय लेने की प्रक्रिया का निरंतर ऑडिटिंग एक अच्छे और सुचारु लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है वह क्यों नहीं होती? भारतीय संविधान ने यह काम विधायिका तथा न्यायपालिका के जिम्मे निर्धारित किया है, किन्तु यह व्यवस्था पूरी तरह असफल रही है। सरकार के फैसलों के पीछे की कहानियाँ कभी साफ-साफ सामने नहीं आ पाती हैं।

यह साफ दिखता है कि सत्ता राजनेता को ऐसा महसूस कराती है कि जैसे वह सर्वशक्तिमान हो गया है। नेता में ऐसा भाव आ जाना उसके भ्रष्ट आचरण की ओर झुकने का पहला संकेत होता है। तो यूपी की कह सकते हैं कि सत्ता व्यक्ति को भ्रष्टाचार की ओर धकेलती है। शासन में भ्रष्टाचार की परिभाषा भी यही है कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा किया गया बेईमानी का व्यवहार। वास्तव में यह बेईमानी का व्यवहार इतना विकृत होता है कि जिसकी कल्पना तक सामान्य जन नहीं कर पाते। कोई भला व्यक्ति सत्ता की राजनीति में आ कर भ्रष्ट कैसे हो जाता है? कुछ लोग मानते हैं कि लोग अपने आप ही अचानक भ्रष्ट हो जाते हैं; दूसरों का मानना है कि लोग सत्ता से प्रभावित होकर शनैः शनैः भ्रष्ट होते हैं।

देश में सत्ता के साथ भ्रष्टाचार का मेल एक खतरनाक व्यवस्था बन गया है। भ्रष्टाचार में डूबे लोग यह नहीं देख पाते कि क्या सही है और क्या गलत है और क्या अच्छा और क्या बुरा है क्योंकि वे अपने को ताकतवर समझने लगते हैं। सत्ता की ताकत का असर है दूसरों को दबाना, दूसरों को नियंत्रित करना, दूसरों पर शासन करना, दूसरों को अपनी इच्छाओं के अनुसार चलाना। यह ताकत नेता को सुख देती है। इसलिए, जो नेता सत्ता की ताकत पाता है, वह अपने को और अधिक शक्तिशाली बनना चाहता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि ऐसा करके वह अपनी ताकत के एहसास के आनंद को और बढ़ाना चाहता है। दूसरी तरफ सत्ता साधारण और भले लोगों को नैतिक रूप से भी नीचे गिराती है। हमने यहाँ तक देखा है कि संत और महात्मा भी अपनी सत्ता के भ्रष्ट प्रभाव से अछूते नहीं रह पाते हैं।

युवा सरकारी अधिकारी जो बदलाव लाने के जच्चे के साथ प्रशासन तंत्र में बड़े उत्साह के साथ आते हैं वे भी सत्ता में रहते हुए भ्रष्ट हो जाते हैं। ऐसा तब होता है जब वे अपने हाथ में वह ताकत पाते हैं जिससे वे प्रतिस्पर्धी बाज़ार में किसी को लाभ पहुँचाने की स्थिति में होते हैं। ऐसे में भले अधिकारी भी बेईमानी की राह पर चल पड़ते हैं। उनका भ्रष्ट आचरण उसी क्षण शुरू हो जाता है जब वे मामूली उपहार स्वीकार करना शुरू करते हैं। धीरे-धीरे वे महंगे उपहार स्वीकार करने लगते हैं। बाद में पक्षपात करने के बदले में रिश्तव की बड़ी बड़ी राशियाँ स्वीकार करने में भी उनको कोई हिचक नहीं लगती। इसमें वे राजनेताओं को भी अपने जैसा बनाने के जतन कर लेते हैं। राजस्थान में लगभग राजना ही रिश्तव लेते पकड़े जाने के मामले जिस प्रकार सामने आ रहे हैं वह प्रशासनिक तंत्र में गहरे पैटी हुई अनैतिकता और बेईमानी की ही दृष्टांति हैं। इसमें अब तो राजनेता भी पकड़े जा रहे हैं। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि चुनावी राजनीति में शामिल होने की लोगों की बढ़ती आकांक्षा के पीछे अपने और अपनों के लिए धन-संपत्ति बना लेने की कामना ही सर्वोपरि होती है। लोक हित की बातें अब सिर्फ जुबान पर होती हैं, दिल और दिमाग से नहीं होती।

**ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वहीं भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।**

आधुनिक भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ लाने वाले 'आपातकाल' के बाद सर्वोच्च न्यायालय के अन्वयगत मुख्य न्यायाधीश जे. सी. शाह ने वर्ष 1978 में इस समस्या को स्पष्ट तौर पर हमारे सामने रखा था तथा इससे उबरने का उपाय भी सुझाया था। लोगों को याद होगा कि न्यायमूर्ति शाह ने आपातकाल के दौरान शासन द्वारा हुई अत्याचारों, कदाचारों और गलत कामों की जांच की थी। उन्होंने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा था— "... साक्ष्यों से पता चला है, बेईमानी और झूठ तो आपात स्थिति के दौरान एक सरकारी रकबा बन गया था।" तब से अब तक रंगिस्तान में न जाने कितने रेत के धोरे अपना स्थान बदल चुके हैं। किन्तु आज भी बेईमानी के सरकारी रकबे की परिस्थितियाँ ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। वास्तव में हालात बद से बदतर ही हुए हैं। ऐसा होना रोका जा सकता था यदि उनके निराकरण के लिए जो अपेक्षा न्यायमूर्ति शाह ने अपनी रिपोर्ट में की थी उस पर अमल होता और सच्चे मन से एक सशक्त लोकतंत्र बनाने का प्रयास होता। परंतु जैसा कि होता रहा है कि न्यायिक आयोगों की रिपोर्टें अलमारियों में पड़ी धूल खाती हैं और उन पर कोई ध्यान ही नहीं देता, शाह आयोग की रिपोर्ट के प्रति खोजना भी आज मुश्किल होगा।

अपनी रिपोर्ट में जस्टिस शाह ने कहा था:— "अगर हमें अपने देश के प्रशासन तंत्र को अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बनाना है तो प्रशासनिक सेवाओं को चाहिए कि वे ईमानदार व कार्यकुशल प्रशासन के आधारभूत आदर्शों के लिए दृढ़ता से काम करें और अपने को कसौटी पर खरा उतार कर दिखाएं। केवल यही वह तरीका है जिसके जरिये प्रशासन के प्रति जनता का खोया विश्वास फिर से पनप सकता है। अगर हमें भावी पीढ़ियों के लिए एक लोकतांत्रिक उत्तरदायी परंपरा छोड़नी है तो हमें देश की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक योजनाओं में सत्य को उसका उचित स्थान फिर से देना होगा। इसमें असंभव कुछ भी नहीं।" न्यायमूर्ति शाह ने जब ये पंक्तियाँ आपातकाल की अत्याचारों पर अपनी रिपोर्ट में लिखी तब जैसी परिस्थितियाँ थी आज उससे भी भयानक परिस्थितियाँ हमारे सामने हैं। अगर जब ऊपर से नीचे तक झूठ और फरेब से ही काम सधते हों तब 'सत्य को उसका उचित स्थान' देने की बात करना भी बेमानी लगता है। आज तो लगता है हालात एकदम हाथ से ही निकल गए हैं क्योंकि प्रशासनिक सेवाओं के लोग लोक सरोकारों की तिलांजलि देते हुए जिस प्रकार सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति के प्रति वफादारी अब निभा रहे हैं वह अभूतपूर्व है। अब ऊपर से दबाव की जगह अफसरों की अपनी महत्वाकांक्षाएँ भी उनके व्यवहार तय करने लगी हैं। जिस बड़ी संख्या में सेवानिवृत्ति के बाद प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं में उनकी नियुक्तियाँ होती हैं उसके बुरे नतीजे सामने आने पर भी किसी को तकलीफ नहीं होती। अफसरों की चुनावी राजनीति की महत्वाकांक्षाएँ भी फिर चढ़ी हुई हैं।

कोई भी निर्बाध सत्ता एक सच्चे लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं होती। उस पर सतत अंकुश बना रहना जरूरी है वरना उसके अधिनायकवाद में बदल जाने में समय नहीं लगता। भारतीय संविधान ने सत्ता पर नियंत्रण और संतुलन का प्रभावी इंतजाम किया है फिर भी सतर्क नागरिक ही सत्ता की ताकत के दुरुपयोग के खिलाफ एकमात्र सुरक्षा के उपाय हो सकते हैं। ताकतवर नेताओं, नौकरशाहों और अन्य के संदिग्ध कार्यों को बेनकाब करने में मीडिया के लोग अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं बशर्ते कि वह खुद उनसे गठबंधन न कर बैठें। एक मजबूत न्यायपालिका भी सत्ता के दुरुपयोग पर लगाम लगा सकती है जिसकी संविधान ने व्यवस्था कर रखी है। किन्तु ये सारी व्यवस्थाएँ धरी रह जाती हैं जब लापरवाह और सतर्क नागरिक अपने आप तैयार नहीं हो सकते। उसके लिए भी शिक्षण की जरूरत होती है। किन्तु हमारी शिक्षा प्रणाली इस काम के लिए तैयार नहीं है। ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वहीं भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।

—अतिथि संपादक राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राशिफल

गुरुवार 2 दिसम्बर, 2021

मारगशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2078, स्वामी नक्षत्र सार्य 4:27 तक, स्वामी नक्षत्र सार्य 4:59 तक, गर करण लिए 10:01 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरु-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29



पंडित अनिल शर्मा

तुला, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरु-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौपड़ियाँ: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, 10:58 से 12:16 तक, लाभ-अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।